R.N.I. No. UPHIN/2023/86842 वर्ष : 02 अंक : 147 | लखीमपुर–खीरी, मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ – 04 मूल्य – 01

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संज्ञान दृष्टि

एक सम्पूर्ण अखबार

मोबाइल नं0–7080049049 sangyandristinewspaper@gmail.com website-Sangyannews.com twitter-Sangyannews

लखीमपुर–खीरी, दिल्ली एनसीआर के साथ–साथ इंदौर, गौरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखनऊ, अयोध्या, गया (बिहार)

एक नज़र

लखनऊ– बहराइच की घटना पर बोले अखिलेश यादव, सरकार को निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए–अखिलेश, ये घटना सरकार,प्रशासन का फेल्योर है–अखिलेश, चौकी इंचार्ज को हटाने से सब खत्म नहीं होता है, वाराणसी में रामलीला में पर्याप्त पुलिस नहीं थी–अखिलेश, मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बोले अखिलेश यादव, प्लस, प्लस सिक्योरिटी में हत्या हो रही है–अखिलेश, अब तो गाड़ी का दरवाजा खोलने पर डर लगता है–अखिलेश।

लखनऊ– बहराइच मामले को लेकर सीएम योगी की पोस्ट, महसी में माहौल बिगाड़ने वाले बख्शे नहीं जाएंगे–सीएम, उपद्रवियों, लापरवाही करने वालों को चिन्हित करने के निर्देश, प्रतिमा विसर्जन जारी रहेगा– सीएम योगी, पुलिस, प्रशासन धार्मिक संगठनों से संवाद करे– सीएम।

लखनऊ– चिनहट में खेत में किशोरी बेसुध हालत में मिली, दुपट्टे से पैर और गला कसकर खेत में फेंका गया, परिजनों ने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया, किशोरी से गैंगरेप की जताई जा रही आशंका, बेसुध हालत में किशोरी को अस्पताल में भर्ती कराया, सूचना पर पहुंची चिनहट पुलिस जांच पड़ताल में जुटी।

मथुरा– पटाखे फोड़ने को लेकर 2 पक्षों में खूनी संघर्ष मामला, मामले में एक व्यक्ति की मौत, 6 लोग गंभीर घायल, घटना का सीसीटीवी आया सामने, मौके पर पुलिस तैनात, पुलिस ने मामले में 1 व्यक्ति, 3 पुत्रों पर दर्ज किया केस, मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु।

कन्नौज– जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदला, दोनों पक्ष एक दूजे के खून के हुए प्यासे, खेत में दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट, सरिया और लाठी डंडों से की मारपीट, खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के कई लोग घायल, गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के भवानीपुर गांव का मामला।

निज्जर मामले में ट्रूडो के आरोपों पर भारत सख्त, कनाडाई डिप्लोमैट को विदेश मंत्रालय ने किया तलब

नई दिल्ली। ओटावा द्वारा भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से जुड़े 'रुचि के व्यक्ति' होने का आरोप लगाने के बाद भारत ने कनाडाई राजनयिक स्टीवर्ट व्हीलर को तलब किया है। व्हीलर भारत में कनाडा के उप उच्चायुक्त हैं। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के कदम पर स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया है। कनाडा ने निज्जर की हत्या की जांच में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को 'रुचि के व्यक्ति' के रूप में नामित किया।

भारत ने कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया दी। भारत ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर वोटबैंक की राजनीति करने और कनाडाई धरती पर अलगाववादी तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। एक तीखे बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि कनाडाई सरकार ने बार–बार अनुरोध के बावजूद निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का एक भी सबूत साझा नहीं किया। हमें कल कनाडा से एक राजनयिक संचार प्राप्त हुआ है जिसमें सुझाव दिया गया है कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उस देश में एक जांच से संबंधित मामले में 'रुचि के व्यक्ति' हैं। भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज करती है और उन्हें इसका श्रेय देती है। ट्रूडो सरकार का राजनीतिक एजेंडा जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। प्रधान मंत्री ट्रूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, हमारी ओर से कई अनुरोधों के बावजूद, कनाडाई सरकार ने भारत सरकार के साथ सबूत का एक टुकड़ा भी साझा नहीं किया है। यह नवीनतम कदम उन बातचीतों के बाद उठाया गया है जिनमें एक बार फिर बिना किसी तथ्य के दावे सामने आए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि जांच के बहाने, राजनीतिक लाभ के लिए भारत को बदनाम करने की एक जानबूझकर रणनीति है।

सूरजपुर में भारी बवाल, आक्रामक भीड़ ने आरोपी के घर में लगाई आग, एसडीएम के साथ की मारपीट

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में कोतवाली में पदस्थ प्रधान आरक्षक तालिब की 32 वर्षीय पत्नी और 11 बेटी की हत्या के बाद आज भीड़ उग्र हो गई। इस भीड़ के आक्रामक होने पर वहां पहुंचे एसडीएम जगन्नाथ वर्मा ने दौड़कर अपनी जान बचाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

नाराज भीड़ ने आदतन आरोपी कुलदीप साहू के घर को आग के हवाले कर दिया है। आक्रामक भीड़ ने एसडीएम जगन्नाथ वर्मा के साथ मारपीट की है वहीं एसपी के साथ धक्कामुक्की करने का मामला सामने आया है। भीड़ की द्वारा नेशनल हाईवे रोड पर बैठकर प्रदर्शन किया जा रहा है। डबल मर्डर की वारदात से सूरजपुर में तनाव की स्थिति है। आक्रोशित भीड़ ने थाने के सामने ध ारना दिया और जमकर नारेबाजी की है। घटना के विरोध में लोगों ने इलाके की सारी दुकानों को बंद कर दिया है। फिलहाल, सूरजपुर शहर और आस–पास के इलाके में तनावपूर्व स्थिति है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर भीड़ को काबू करने में जुटे हुए हैं। बेटी और मां के हत्या का आरोपी कुलदीप साहू आदतन बदमाश है। आरोपी कुलदीप साहू एनएसयूआई का पूर्व महासचिव रह चुका है। बीते रविवार की शाम को जब प्रधान आरक्षक तालिब और आरक्षक घनश्याम सोनवानी चौपाटी पर खड़े थे। तब अचानक कुलदीप ने बिरयानी सेंटर से कड़ाही पर मौजूद गर्म तेल सिपाही घनश्याम पर उड़ेल दिया। बेहद गंभीर हालत में घनश्याम सोनवानी को उपचार के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर कुलदीप साहू हमला कर फरार हो गया। पुलिस को आशंका है कि इस वारदात के बाद कुलदीप भैयाथान रोड स्थित रिंग रोड पर निवासरत प्रधान आरक्षक तालिब के घर पहुंचा और तालिब की पत्नी और बिटिया को बलपूर्वक उठा ले गया। जिसके बाद धारदार हथियार से दोनों लोगो की हत्या कर शव को दो किलोमीटर दूर फेंक दिया।

कुलदीप की तलाश में छापेमारी तेज–वहीं सूरजपुर में इस प्रकार की घटना पहली बार घटित हुई है। जिसमें किसी अपराधी ने पुलिस के परिवार को ही निशाना बनाया हो। कुलदीप की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। कुलदीप का एक वाहन लटोरी के पास बरामद हुआ है।

आरोपी इस बात से था नाराज–वहीं खबर है कि आरोपी कोतवाली पुलिस की लगातार कार्यवाही से नाराज था। आरोपी के भाई संदीप ने एक व्यक्ति को छत से धक्का दे दिया था। जिस वजह से पुलिस संदीप को जब गिरफ्तार कर रही थी तब कुलदीप ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जताई थी। जिसके बाद विवाद उस समय भी गहरा गया था जब जिला बदर हो चुके आरोपी के चाचा के खिलाफ जिला बदर की अवहेलना के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की थी। चर्चा यह भी है कि आरोपी लगातार पुलिस के द्वारा उसके परिवार के खिलाफ कार्रवाई से बौखलाहट में दिख रहा था।

पीएम रिपोर्ट से होगा वारदात का खुलासा–प्रधान आरक्षक के परिवार की हत्या को लेकर पीएम रिपोर्ट से स्थिति और स्पष्ट रुप से सामने आएगी। बच्ची और महिला के शव की स्थिति को देखते हुए प्रारंभिक पीएम रिपोर्ट का इंतजार है।

उमर अब्दुल्ला से बोले अरविंद केजरीवाल, आधा राज्य चलाने में दिक्कत हो तो मुझसे ले लेना सलाह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन से उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली आगामी जम्मू–कश्मीर सरकार में डोडा से अपने एकमात्र विधायक के लिए कैबिनेट मंत्री बनाने की मांग की है। इस महीने की शुरुआत में केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में मेहराज मलिक ने भाजपा के गंजय सिंह राणा को 4,538 से अधिक मतों से हराया। यह अनुरोध आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बाद आया है, जिन्होंने रविवार को डोडा का दौरा किया था और मलिक को जम्मू–कश्मीर में आप के पहले विध ाायक के रूप में चुनने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया था।

डोडा में अपने संबोधन के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की तरह जम्मू–कश्मीर को भी आधा राज्य बना दिया गया है, सारी शक्तियां उपराज्यपाल को दे दी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं उमर अब्दुल्ला से कहना चाहता हूं कि अगर आपको काम करने में कोई दिक्कत आए तो मुझसे पूछना, मैं जानता हूं कि दिल्ली कैसे चलानी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चूंकि आप ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन दिया है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हमारे मेहराज मलिक को उमर अब्दुल्ला की सरकार में जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि वह डोडा के साथ–साथ पूरे जम्मू–कश्मीर की सेवा कर सकें। मलिक ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्व मंत्री खालिद नजीब सुहारवर्दी और डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के अब्दुल माजिद वानी को हराकर भी जीत हासिल की। एनसी–कांग्रेस गठबंधन, जिसने हाल के जम्मू–कश्मीर चुनावों में कुल 90 में से संयुक्त रूप से 48 सीटें जीतीं, नई सरकार बनाने के लिए तैयार है, उमर अब्दुल्ला पहले ही गठबंधन के नेता और भावी मुख्यमंत्री के रूप में चुने गए हैं। एनसी ने 42 सीटें हासिल कीं, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें जीतीं।

बहराइच हिंसा पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया, योगी सरकार पर खड़े किए सवाल

उ0प्र0। उत्तर प्रदेश के बहराइच में हुए हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर सवाल खड़े किए है। अखिलेश यादव ने बहराइच में हुए हिंसा को लेकर कहा कि सबसे पहले, मैं अपील करना चाहूंगा कि सभी संबंधित पक्षों को कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में काम करना चाहिए। जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि प्रशासन, सरकार और मीडिया को पता है कि ऐसा क्यों हुआ। सरकार न्याय करे।

अखिलेश यादव ने कहा कि जब जुलूस शुरू हुआ तो प्रशासन को उसके रूट, रूट पर पर्याप्त सुरक्षा, पर्याप्त पुलिस तैनाती का ध्यान रखना चाहिए था। अगर मैं बताऊं कि उन लाउडस्पीकरों पर क्या बज रहा था तो सरकार कुछ और ही कहेगी। लेकिन प्रशासन को कम से कम इस बात पर ध्यान देना चाहिए था कि लाउडस्पीकर पर क्या बजाया जा रहा है, क्या वे किसी का अपमान कर रहे हैं? तो सारी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण इतनी बड़ी घटना घटी। बहराइच और अन्य जगहों पर जो कुछ हो रहा है उसके लिए सरकार, प्रशासन और उनकी वोट बैंक की राजनीति जिम्मेदार है। सपा प्रमुख ने कहा कि वे जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे भाजपा की चाल को समझें, वे नफरत फैलाकर और समाज को बांटकर राजनीतिक लाभ लेना चाहते हैं। बहराइच जिले के एक गांव में रविवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है तथा करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। बहराइच की पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने रविवार रात संवाददाताओं को बताया, महसी तहसील के अंतर्गत महाराजगंज इलाके में तनाव था। जब एक जुलूस मुस्लिम बहुल इलाके से गुजर रहा था तभी दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति पर कथित तौर पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद, पुलिस ने करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया है। अशांति प्रभावित सभी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि इलाके में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, और हिंसा प्रभावित इलाकों के सीसीटीवी फुटेज देख कर अराजक तत्वों की पहचान की जा रही है, और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'सीएम डैशबोर्ड, विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की डीएम ने की समीक्षा, दिए निर्देश'

'डीएम बोली, सीएम डैशबोर्ड पर अपने विभाग की रैंकिंग में करे सुधार, दिखाये गंभीरता'

'डीएम ने अफसरों से जाना कैसे बेहतर करेंगे रैंकिंग'

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। शासन से निर्धारित सीएम डैशबोर्ड एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की सोमवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक ली, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में 'डीएम ने बेसिक शिक्षा, एनआर एलएम, समाज कल्याण, पर्यटन, उद्योग विभाग के कार्यों में अपेक्षित (संतोषजनक) प्रगति न होने पर नाराजगी प्रकट की संबंधित विभाग के जिम्मेदार अफसरो का स्पष्टीकरण तलब किया'।

बैठक में डीएम ने सीएम डैशबोर्ड के मानकों पर जिलों में चल रही सरकार की सभी योजनाओं, सभी विभागों के कामकाज की समीक्षा की। डीएम ने कहा कि इस माह की सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में 18 नंबर का सुधार करते हुए जिला 25 नंबर पर आया है। अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पर अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार करे। उसमें गंभीरता दिखाये। सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारियों को टीम भावना के रूप में काम करना चाहिए और अपने जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने का पूरा प्रयास करना चाहिए। डीएम ने अधीनस्थ अधिकारियों को सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग पर नजर रखने के निर्देश दिए। कहा कि रैंकिंग का खराब होना विभागीय अधिकारियों की लापरवाही परिचायक होगा। जिन विभागों की प्रगति निम्न श्रेणी में है, उसे उच्च श्रेणी में लाया जाए। सुधार ना दिखाने वाले अफसरो से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि निरन्तर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहे, अपनी विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान दें, निर्धारित समयावधि में प्राप्त आवेदन पत्रों को निस्तारित करें, जो भी परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है उसकी प्रगति में सुधार लाये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन जिलों की प्रगति अच्छी है वहां के अपने समकक्ष अधिकारी से बात करें, उनसे सीख लेते हुये अपने यहां भी बेहतर परिणाम लाकर दिखायें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी सीएम डैशबोर्ड की बैठक में जिन विभागों की डी रैकिंग पायी जायेगी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि सात योजनाओं में गत माह से चालू माह में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर उच्च ग्रेड प्राप्त किया है। वही पीएम आवास (ग्रामीण)/सीएम आवास (ग्रामीण) की प्रगति में कमी आई है। बेसिक शिक्षा, एनआरएलएम, समाज कल्याण, उद्योग विभाग के कार्यों में अपेक्षित (संतोषजनक) प्रगति न होने पर डीएम ने नाराजगी प्रकट की। 'डीएम ने की रू. 50 लाख से अधिक लागत के निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा', 'धीमी प्रगति वाली परियोजनाओं की वर्किंग एजेंसी पर डीएम खफा, फटकारा', 'कामों की माइक्रोलेवल पर समीक्षा करे वर्किंग एजेंसी', रू. 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रशासकीय विभागों व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली (सीएमआईएस डैश बोर्ड) का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें तथा सभी कार्यदाई संस्थाएं अद्यतन प्रगति की सूचना अपडेट करना सुनिश्चित करें ताकि जनपद की रैंक प्रभावित न होने पायें। डीएम ने निर्देश दिए कि अफसर अंतर्विभागीय समन्वय, तालमेल बनाते हुए समस्या का समाध ाान करे। मीटिंग में उन्ही समस्या को रखे जो उनके स्तर से हल नहीं हो रही है। जिन परियोजनाओं में 90

फीसदी काम पूरा हो चुका और धनाभाव नहीं है। उन परियोजनाओं को इस माह के अंततक प्रत्येक दशा में संबंधित विभाग को हैंड ओवर किया जाए। प्रशासकीय विभागो व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि लीडरशिप अप्रोच रखकर नियमित फील्ड विजिट करें, इससे काम की प्रगति बढ़ेगी। अपने स्तर पर माइक्रो लेवल पर भी नियमित समीक्षा कर गुणवत्ता के साथ ससमय परियोजनाओं को पूर्ण कराए। समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि शतप्रतिशत धनराशि अवमुक्त होने के बाद 17 कार्यों में वर्किंग एजेंसी द्वारा कार्य पूर्ण न करने को गंभीरता से लिया। नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी फटकार लगाई। आठ कार्यों में चार माह से अत्यंत धीमी प्रगति को लेकर गहरी नाराजगी जताई। 14 पूर्ण कार्यों में इन्वेंटरी भेजने के बावजूद संबंधित विभाग को हस्तगत न कराए पर कारण जाना। निर्देश दिए कि यथाशीघ्र कार्य को हस्तगत कराया जाए।

'ग्राम अमेठी में ग्राम चौपाल का हुआ आयोजन'

'डीडीसी/एडीएम ने सुनी चकबंदी संबंधी समस्याए, दिए निस्तारण के निर्देश'

धर्मेश शुक्ला

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। चकबन्दी आयुक्त उप्र भानुचन्द्र गोस्वामी के निर्देशानुसार एवं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के कुशल मार्गदर्शन में उप संचालक चकबन्दी/अपर जिलाधिकारी (वि०रा०) संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में ग्राम अमेठी परगना व तहसील धौरहरा जिला खीरी में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्राम के कृषक व ग्रामवासी व ग्रामप्रधान व चकबन्दी कमेटी के सदस्य आदि उपस्थित रहें। ग्राम में चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत ग्राम की समस्याओं को सुना गया तथा समस्याओ के उचित निराकरण हेतु चकबन्दी विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु उप संचालक चकबन्दी/अपर जिलाधिकारी (वि०रा०) लखीमपुर–खीरी द्वारा निर्देश दिया गया।

ग्राम चौपाल में चकबन्दी अधिकारी श्री रामकुमार गुप्ता व चकबन्दी अधिकारी सुरेश चन्द्र वर्मा व सहायक चकबन्दी अधिकारी सुशील कुमार व नायब तहसीलदार धौरहरा तथा चकबन्दीकर्ता व चकबन्दी लेखपाल उपस्थित रहे।

इसप्रकार शासन की मंशा के अनुरूप ग्राम में ही जनता को सुन करके उनसे तथा जनहित से सम्बन्धित प्रकरणों में चकबन्दी विभाग द्वारा द्रुत गति से कार्यवाही की जा रही है।

सम्पादकीय

महाराष्ट्रः भय और आतंक के माहौल में चुनाव

मुम्बई में यह किस में डर पैदा करने की कोशिश है? महाराष्ट्र में चुनाव हैं और उससे पहले राजनीतिक हत्याओं का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बाबा सिद्दिकी तो राज्य सरकार के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पार्टी में आ गए थे। वाय श्रेणी की सुरक्षा थी मगर फिर भी मारे गए। और वह क्या पुलिस थाने में भाजपा विधायक ने राज्य सरकार में शामिल शिंदे गुट के नेता पर गोलियां चला दी थीं। अजीत पवार की पार्टी एनसीपी के तो 8 दिन में यह दूसरे नेता की हत्या है। और इस साल में तीसरे नेता की। मुंबई में लंबी लिस्ट है पिछले दिनों हुई राजनीतिक हत्याओं की। गोलियां चलाकर आतंक पैदा करने की। फिल्म एक्टर सलमान खान जो गुजरात में मोदी जी का समर्थन करने गए थे उनके घर के बाहर अभी गोलियां चलाई गईं। और जिस अपराधी लारेंस बिश्नोई पर आरोप है उसने अभी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिमेमेदारी ले ली है। पंजाबी गायक सिद्धु मुसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी गेंग ने ली थी।

डबल इंजन की सरकार है। गेंग लीडर लारेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है मगर आश्चर्य वह सुपारी ले रहा है और हत्याएं करवा रहा है। क्या मतलब है इसका? इतने ताकतवर प्रधानमंत्री राज्य में उनकी सरकार और गुजरात की जेल में बंद एक गेंगस्टर द्वारा मुंबई में एक के बाद एक राजनीतिक हत्याएं! आतंक का माहौल!किस लिए? चुनाव में किसी को फायदा पहुंचाने के लिए? महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों को यही आशंका है। सबसे प्रमुख विपक्षी दल शिवसेना यूबीटी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा है कि इस हत्या ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की कलई खोल दी। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इसे मुख्यमंत्री की विफलता बताया है। उन्होंने गृह मंत्री देवेन्द्र फडणवीस को बर्खास्त करने की मांग की है। उद्धव ठाकरे की पार्टी की ही राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कड़े सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर सत्ता पक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो फिर महाराष्ट्र में कौन सुरक्षित है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राज्य का लूटने में लगे हैं उन्हें कानून व्यवस्था की कोई चिंता नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा में इतनी देर क्यों की जा रही है? यही मुख्य सवाल है। चुनाव में देर क्यों की जा रही है? क्या राज्य में डर व आतंक का वातावरण बनाने के लिए? गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गेंगस्टर कैसे इतना ताकतवर हो सकता है कि डबल इंजन और गुजरात में भी सरकार है तो ट्रिपल इंजन की सरकार कह सकते हैं वह देश के हर राज्य में और विदेश में कनाडा तक में हत्याएं करवा रहा हो और महाराष्ट्र गुजरात की राज्य सरकारें केन्द्र सरकार कोई कुछ नहीं कर पा रहा हो? कोशिश यही है कि महाराष्ट्र में विपक्ष में इतना डर और आतंक पैदा कर दो कि वह ठीक से चुनाव ही नहीं लड़ पाए। क्या यह संभव है? राहुल गांधी को डराया जा सकता है ? उद्धव ठाकरे को कोई डरा सकता है ? शरद पवार किसी से डरेंगे? संभव ही नहीं है। यह सारी कोशिशें बेकार जाएंगी। उल्टे महाराष्ट्र में यह संदेश जाएगा कि मोदी एकनाथ शिंदे अजीत पवार यह कोई उन्हें सुरक्षा नहीं दे सकता है। यह सब इन्हीं की जेल में बंद एक गेंगस्टर के सामने लाचार हैं। राज लारेंस बिश्नोई का चल रहा है प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार का नहीं। सोचिए तीन बार के एमएलए, राज्य सरकार में मंत्री रहे, बेटा जिशान सिद्दीकी अभी भी एमएलए और उप मुख्यमंत्री की अजीत पवार की पार्टी में शामिल फिर भी दशहरे के दिन, भीड़ भाड़ वाले इलाके बान्द्रा ईस्ट इलाके में शाम को गोली मार दी जाती है। बाबा सिद्दकी कोई सामान्य नेता नहीं थे। हर पार्टी में सब उन्हें जानते थे। फिल्म स्टारों में उनकी पूछ थी। जिन्दगी भर कांग्रेस में रहे अभी इसी साल के शुरू में अजीत पवार की पार्टी में गए थे। बिहार के रहने वाले थे। मगर मुबंई में आकर जैसे बहुत सारे दूसरे लोगों ने कांग्रेसी बनकर अपना उद्धार किया था वैसे ही वे भी थे। जब केन्द्र और राज्य दोनों जगह कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई तो वे सत्ता में शामिल अजीत पवार के साथ चले गए। जाते तो कांग्रेस छोड़कर बहुत सारे लोग हैं मगर एकाध ही होता है जो जाने के बाद कांग्रेस पर सोनिया राहुल पर गंदे आरोप नहीं लगता। प्रियंका चतुर्वेदी एक उदाहरण हैं। बाकी लोग तो अपने स्वार्थों से गए मगर प्रियंका चतुर्वेदी के साथ तो बदतमीजी हुई थी। उन्होंने पार्टी में ही रुककर इसकी शिकायत भी की। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई तब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी। लेकिन छोड़ने के बाद कभी कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोला। बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदे आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। और बहुत कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की सारी पोल खोल दी है। राहुल की और कांग्रेस की यही खासियत है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। खाली महाराष्ट्र की ही बात की जाए तो यहां से कितने कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी छोड़ी? गिनते जाइए! लंबी लिस्ट है। और सब वह हैं जो दूसरे राज्यों से साधारण हैसियत से आकर यहां कांग्रेस में शामिल हुए और नाम, नामा रसूख सब बनाया। वैसे सबको सम्मान दो के सिद्धांत पर हम साधारण हैसियत लिख रहे हैं नहीं तो कुछ भी नहीं कि स्थिति में कांग्रेस में आए थे। कृपाशंकर सिंह (यूपी से), मिलिंद देवड़ा (इनके पिता मुरली देवड़ा राजस्थान से आए थे) बाबा सिद्दकी (बिहार से) कई नाम हैं। जब कांग्रेस सत्ता में नहीं रही तो सत्ताधारी पार्टियों की तरफ चले गए। गए तो संजय निरुपम भी हैं। वे भी बिहार से हैं मगर उन्होंने नाम शिवसेना में बनाया था। कांग्रेस में बाद में आए। सांसद यहां भी बने। ऐसे ही जाने वालों की लंबी लिस्ट है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी। खैर यह स्वार्थी, अवसरवादी, डरपोक नेताओं का कांग्रेस से जाना ऐसे ही चलता रहता है। आना भी। जब सत्ता में कांग्रेस आएगी तो यह लोग सबसे पहले राहुल की जय जयकार करते हुए वापस आएंगे। और कांग्रेस इन्हें लेगी भी। यह कांग्रेस की समस्या है। अब इसे राहुल दूर करेंगे या नहीं मालूम नहीं। लेकिन अगर वे इस बारे में साफ कहें तो इससे कांग्रेस को फायदा होगा। पार्टी के साथ वफादारी से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ेगा। और फेंस पर जाने को बैठे लोगों में डर बैठेगा। लेकिन राहुल अनुशासन के मामले में कितने सख्त हो पाते हैं कितने नहीं यह कहना मुश्किल है।लेकिन फिलहाल तो उनके सामने महाराष्ट्र चुनाव है। जहां इंडिया गठबंधन की स्थिति काफी अच्छी दिख रही है। लोकसभा में भी महाराष्ट्र ने मोदी जी को बड़ी चोट पहुंचाई थी। 48 सीटों में से एनडीए को केवल 17 सीटें मिलीं। 31 सीटों पर इंडिया गठबंधन जीती। इनमें भी कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें और बाद में जीता एक निर्दलीय उसमें शामिल हो गया तो 14 सीटें जीतीं। अब विधानसभा चुनाव में मोदी जी के लिए महाराष्ट्र बचाना बहुत कठिन चुनौति है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन हरियाणा के ताजे अनुभव से काम लेकर वहां ज्यादा चौकसी से चुनाव लड़ेगा। आन्तरिक कलह पर कड़ाई से रोक लगाएगा। देखते हैं इंडिया गठबंधन कितनी जल्दी सीट शेयरिंग करता है।

भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत हरियाणा की जनता

डिजिटल न्यूज चौनलों के साथ–साथ मुख्यधारा की मीडिया ने भी कहा कि हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के चुनाव में विपक्ष की लहर है। हरियाणा में चुनाव कांग्रेस नहीं जनता लड़ रही है। चुनाव क्षेत्रों में न्यूज चौनलों के इंटरव्यू में ऐसा दिखता भी था। एक्जिट पोल में बताया गया कि हरियाणा में कांग्रेस पचास से लेकर बहत्तर सीट पाने जा रही है। भाजपा पंद्रह से लेकर बत्तीस तक सिमट जाएगी। फील्ड में घूमने वाले और न्यूज चौनलों पर बहस करने वाले पत्रकार भी यही बता रहे थे। कुछ पत्रकारों ने तो यहां तक दावा किया कि अगर नतीजे ऐसे ही नहीं आए तो वे पत्रकारिता छोड़ देंगे। चुनाव विश्लेषण करने वाले योगेंद्र यादव ने भी कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की हवा चल रही है, यह आंधी भी हो सकती है। और ज्यादा चली तो सुनामी भी। लेकिन चुनावों के नतीजे उम्मीद के उलट आए तो उन्होंने कहा कि कई बार चुनाव सर्वेक्षक और विश्लेषक माहौल को भांप नहीं पाते। कोई अंडर करंट चल रहा था जिसे वे भी भांप नहीं पाए। ईवीएम की धांधली के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हैं और उनके पास धांधली का कोई सबूत नहीं है इसलिए इस बारे में वे कुछ कह नहीं सकते। खैर, योगेंद्र यादव ही क्यों, वैकल्पिक मीडिया के कई दिग्गज विश्लेषक भी कथित अंडर करंट को भांप न पाने के लिए खुद को लानत भेजने लगे। उन्हें कांग्रेस पार्टी और नेताओं की वे कमियां, जिन्हें भाजपा प्रचारित कर रही थी, बड़ी दिखाई देने लगीं जिन्हें वे उसकी लहर के सामने नगण्य मानकर उसकी शानदार जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा खेमे में मायूसी का आलम था। उन्हें गांवों में घुसने से रोका जा रहा था। उनकी सभाओं और रैलियों में लोग जुट नहीं रहे थे। खट्टर जैसे बड़े नेता तो खुले में प्रचार करने के बजाय बंद हॉलों में प्रचार कर रहे थे। एक चुनाव क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा उम्मीदवार की जीत के प्रति नाउम्मीदी जताए जाने पर उसे हॉल से बाहर निकलवा दिया। मुख्यधारा की मीडिया द्वारा यह प्रचारित कराया जाने लगा कि हरियाणा कांग्रेस में फूट है। भूपेंद्र हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला अलग–अलग दिशाओं में चल रहे हैं। हुड्डा नहीं चाहते कि पार्टी को पचपन से ज्याद सीटें मिले। नहीं, उनकी दावेदारी कमजोर पड़ जाएगी। हाई कमान हावी हो जाएगा। इसलिए हुड्डा आमआदमी पार्टी और सपा के साथ गठबंधन कर ज्यादा सीटें जीतने के पक्ष में नहीं हैं। टिकट वितरण में उन्होंने हाई कमान की नहीं चलने दी और अपने बहत्तर उम्मीदवार मैदान में उतार दिए। कुमारी सैलजा के कोटे से केवल सात उम्मीदवार उतारे गए इसलिए वे नाराज होकर घर बैठ गईं और न्यूज चौनलों को इंटरव्यू देकर अपनी भड़ास निकालने लगीं। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने उन्हें अपनी पार्टी में आने का न्यौता भी दे दिया। सुरजेवाला अपने बेटे को ही जिताने में लगे रहे। राहुल और प्रियंका गांधी ने प्रचार अभियान में उतरने में देरी कर दी। इसी बीच राहुल गांधी अपनी अमरीका यात्रा से लौटे और उनका डंकी वीडियो वाइरल हुआ जिसमें वे डलास में पंद्रहध्दस फीट के कमरे में रह रहे हरियाणा के उन डंकी युवाओं से मिले थे। फिर वे करनाल जाकर उन युवाओं के परिवार से भी मिले और हरियाणा में बढ़ रही बेरोजगारी और नशाखोरी का मार्मिक चित्र खींचा। इस तरह हरियाणा में उनके चुनाव प्रचार का आगाज हुआ और उनके प्रचार में न आने शिकायत करने वाले चुनाव विश्लेषक कहने लगे, दे आयद, दुरुस्त आयद। फिर राहुल गांधी वहां लगातार वाहन और पैदल चलकर हाईब्रिड यात्रा करने लगे जिसमें डंकियों के बहाने बढ़ती बेरोजगारी और नशाखोरी के संबंध में भावुक अपील करने लगे। किसान (एमएसपी की गारंटी), जवान (अग्निपथ योजना को बंद कर फौज में सामान्य भर्ती, दो लाख रिक्त पदों पर भर्ती), पहलवान (शारीरिक शोषण के खिलाफ न्याय) और संविधान की रक्षा के नारे लगाते हुए छत्तीस बिरादरी की सरकार बनाने की गारंटी देने लगे। इसके अलावा, घोषणा पत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम जनता के लिए सात प्रकार की रेवड़ियां बांटने का ऐलान भी किया। उन्होंने हुड्डा और कुमारी सैलजा का हाथ मिलवाकर उनके बीच मन–मुटाव दूर कर देने का प्रदर्शन भी कराया। मतदान से एक दिन पहले दलित नेता अशोक तंवर को भाजपा से निकाल कर अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। उनकी प्रचार यात्रा और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ने लगी।

इधर मोदी ने चुनाव प्रचार में अधूरे मन से भाग लिया और फिर चुनाव से हफ्ते भर पहले ही वहां से भाग लिए। उनकी पहली रैली में मुश्किल से पांच हजार लोग जुटाए जा सके। उधर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल विज खुद मुख्यमंत्री बनने के दावे ठोक रहे थे। नायब सिंह सैनी को अपने विधानसभा क्षेत्र लाडवा में पिछड़ते बताया जाने लगा। खट्टर की अलोकप्रियता के मद्देनजर उन्हें चुनाव प्रचार और पोस्टरों से गायब कर दिया गया। पोस्टरों में मोदी भी दिखने बंद हो गए। ताकि हार का ठीकरा मोदी के सिर न फूटे। चुनाव विश्लेषकों द्वारा बार–बार यही कहा जाता रहा कि मतदाता कांग्रेस को जिताने के लिए नहीं, बल्कि भाजपा को हराने के लिए वोट करेंगे। जब नतीजे निकले तो पासा पलट गया। भाजपा 48 सीट जीत गई और कांग्रेस 37 पर सिमट गई।

इस नतीजे से सभी भौंचक रह गए। मतदाता भी और चुनाव विश्लेषक भी। चुनावी पंडितों को अपनी समझ पर संदेह होने लगा। आखिर उनसे कहां चूक हो गई? अंडर करंट को वे समझ कैसे नहीं पाए। उन्होंने मान लिया कि सच में कोई अंडर करंट था। सड़क पर जो दिख रहा था वह सही नहीं था। फिर वे भाजपा की जीत को वास्तविक बताने के लिए उसके समर्थन में तर्क गढ़ने लगे– 1.जाट और गैर–जाट के बीच की खाई (मानों, जाटों का कथित अत्याचार संविधान संशोधन से होने वाले नुकसान से ज्यादा घातक हो।)2. सीएम पद की खींच–तान (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो।)

अति आत्मविश्वास (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो। नतीजे निकलने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री सैनी भरी सभा में कह रहे थे कि जीत के लिए निश्चिंत रहो। हमने सब व्यवस्था कर दी है। यह अति आत्मविश्वास नहीं था?) 4. इंडिया गुट के सहयोगियों के साथ गठबंधन न करने का फैसला। (चुनाव विश्लेषकों के अनुसार जब मतदाताओं ने भाजपा को उसके जनविरोधी नीतियों के कारण हराने का संकल्प ले लिया था तो वे दूसरे दलों पर अपना अमूल्य वोट क्यों खराब करते?) 5. पन्ना प्रमुखों का संगठनात्मक मशीन। (पन्ना प्रमुख क्या सम्मोहन विद्या जानते हैं जो मतदाता को अपने हित–अनहित सोचने के विवेक को छिन लेते हैं और एक ही दिन में उसके मत को पलट देते हैं। तब तो दूसरे दल कभी चुनाव नहीं जीत सकते।) दरअसल, मीडिया और चुनाव विश्लेषक जिधर बम उधर हम के कायल दिखे। वे चित भी मेरी और पट भी मेरी की चाल चलने लगे। मुख्यधारा की मीडिया को छोड़ भी दिया जाए तो वैकल्पिक सोशल मीडिया के चुनाव विश्लेषक भी भाजपा की जीत की दबसट में अपने ही अनुमानों को झुठलाने लगे। वैकल्पिक न्यूज चौनल का एक एंकर कह रहा था कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव अपने पराक्रम से जीत लिया। अब वे जिन बातों को पराक्रम समझ रहे हैं उनकी बानगी कुछ इस प्रकार है– ईडी, आईटी और सीबीआई के माध्यम से भयादोहन के जरिए इलेक्टोरल बांड से संचित किया गया अकूत धन जिसे चुनावी मशीनरी को चुस्त–दुरुस्त किया जाता है, हर बूथ पर पन्ना प्रमुख तैयार किया जाता है और अब तो पन्ना समिति बनाने की तैयारी है। मतदाताओं को भी खूब बांटा जाता है। प्रॉक्सी उम्मीदवारों और वोट कटवा दलों को खड़ा कर उन्हें इफरात पैसा बांटा जाता है। राहुल गांधी पैदल तो चंद्रशेखर हेलीकॉप्टर से प्रचार कर रहे थे। विरोधी पार्टियों के खाते बंद कर दिए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से खोले भी जाते हैं तो उन्हें सरकार के डर से कोई चुनावी चंदा देना नहीं चाहता। केंद्रीय वित्त मंत्री, भाजपा और अन्य पर भयादोहन का केस चल रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश से उन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। लेकिन अब सीजेआई ने उस केस को अपने पास भेजने का आदेश दे दिया है। पिछले आम चुनाव में 79 सीटों पर ईवीएम से धांधली का एडीआर द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर केस लंबित है जिसमें न्याय मिलने की संभावना अब तक तो नहीं दिखती। इसी संबंध में 2019 में भी दायर किया गया केस आज तक लंबित चला आ रहा है। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने तैतीस सीटों पर धांधली के आरोप लगाए हैं जिनमें से बीस सीटों के प्रामाणिक दस्तावेज जुटाकर चुनाव आयोग को अभ्यावेदन किया है और शेष तेरह सीटों के दस्तावेजी सबूत जल्द प्रस्तुत करने की बात कही गई है। मुख्य आरोप यह है कि मतदान पश्चात जिन ईवीएम की बैटरियों में 99 फीसदी चार्जिंग होना पाया गया है उनमें सत्तर से अस्सी फीसद वोट भाजपा को मिले हैं। जिनमें 60–70 फीसदी चार्जिंग प्रदर्शित है उनमें कांग्रेस आगे है। बलात्कार और हत्या के आरोप में सजायाफ्ता बाबा राम–रहीम को पैरोलध्फरलो पर बार–बार छोड़कर उसके अनुयायियों को प्रभावित करवाना। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक ठहरा कर बंद तो करा दिया। लेकिन इसके माध्यम से इकठ्ठे किए गए धन की न तो वसूली करवाई और न इसमें लिप्त मंत्रियों, पदाधिकारियों और संस्थाओं की जांच। इकठ्ठा किया गया धन चुनावों को प्रभावित करने में धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। इसी तरह महाराष्ट्र में जोड़–तोड़ और खरीद–फरोख्त से बनाई गई सरकार को असंवैधानिक ठहराया गया था, लेकिन बर्खास्त नहीं किया गया।

कांग्रेस में संगठनात्मक कमियां हैं। उसमें भी स्वार्थी नेताओं की कमी नहीं है। पर राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के अभियान पर जनता ने भरोसा करना शुरू कर दिया है। हरियाणा की जनता भाजपा के दस साल के कुशासन से तंग आ चुकी थी। चुनाव विश्लेषक कह रहे थे कि वह कांग्रेस को जिताना नहीं चाहती, पर भाजपा को हराना चाहती है। कांग्रेस की जीत तो इस चुनाव के डिफाल्ट में है। तो क्या उसने भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत होकर उसे जिता दिया। बात गले से नहीं उतरती।

बांग्लादेश में असुरक्षा

हाल के दिनों में बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों में हुए हमलों की भारत द्वारा कड़ी निंदा सरकार की किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति को ही दर्शाता है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल–पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दी गई। जिसमें तमाम स्थानों पर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाने पर लिया गया। जिसके बाद नई दिल्ली ने बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बार–बार चिंता व्यक्त की है। यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर जारी है। इसमें धार्मिक स्थलों और पूजा पंडालों को अपवित्र करने, तोड़फोड़ और डकैती जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं। इस पर यूनुस की दलील रही है कि ये हमले राजनीति से प्रेरित हैं और इन्हें सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता। वहीं बार–बार धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के आश्वासन और समय–समय पर मंदिरों में जाने के बावजूद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत के एक व्यवस्थित पैटर्न को पनपने दिया जा रहा है। बीच–बीच में सरकारी नौकरियों व शिक्षकों की भूमिका निभा रहे अल्पसंख्यकों को जबरन इस्तीफा देने के लिये दबाव बनाने के आरोप भी लगते रहे हैं। यहां तक कि मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बांग्लादेश यात्रा के दौरान दिए गए मुकुट के चोरी हो जाने का समाचार पिछले दिनों आया। निस्संदेह, अल्पसंख्यकों के खिलाफ यह मुहिम गंभीर चिंता का विषय है। निश्चित रूप से, यह भारत–बांग्लादेश के संबंधों के लिये परीक्षा का समय है। मुकदमा चलाने के लिये शेख हसीना को वापस भेजने की मांग पर नई दिल्ली की चुप्पी ने ढाका में हलचल बढ़ाई है। दरअसल, बदले हालात में वहां एक वर्ग का उदय हुआ है जो चाहता है कि बांग्लादेश अपने शक्तिशाली पड़ोसी से आंख में आंख डालकर बात करे। हालांकि, यह धारणा गलत व अव्यावहारिक है। फिर भी दोनों पक्षों को बढ़ते अविश्वास की खाई को पाटने में किसी भी देरी को टालना होगा। राजनयिक चौनलों को पूरी ताकत के साथ सक्रिय करने की जरूरत है। जिसके लिये जरूरत पड़ने पर सख्ती दिखाने की भी जरूरत होगी। ऐसे में पश्चिमी देशों के पोस्टर बॉय बने सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर फिलहाल बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत के लिये भी एक सबक है। अपने देश में भी अल्पसंख्यकों के साथ किसी तरह का भेदभाव व दुराग्रह उतना ही अनुचित होगा, जैसा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा है। यह भेदभावपूर्ण व्यवहार व बेतुकापन खत्म होना चाहिए। यह भारत की वसुधैव कुटुम्बकमध् की नीति के विरुद्ध होगा। दूसरे शब्दों में यह भारत और भारतीयता का अपमान भी होगा। हर देश में अल्पसंख्यकों के साथ सहिष्णुता का व्यवहार वक्त की पहली जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष तुला वृषभ वृश्चिक मिथुन धनु कर्क मकर सिंह कुंभ कन्या मीन

मेष :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

खाना खजाना / सेहत / ब्यूटी

शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर दिखते हैं ऐसे लक्षण, हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

स्वस्थ रहने के लिए प्रोटीन का सेवन करना बहुत जरूरी है। क्योंकि अगर आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल रहा है, तो इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बता दें कि रोजाना शरीर को कैलोरी का कम से कम 10 प्रतिशत प्रोटीन लेना जरूरी होता है। इसको आप अपनी डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं। आप नाश्ते में एक कप दही ले सकते हैं, दोपहर में स्किनलेस चिकन ब्रेस्ट या दाल का सेवन करें, रात को खाने में एक कप बीन्स का सेवन करें।

बता दें कि इससे शरीर में प्रोटीन की कमी नहीं होती है। लेकिन अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होने लगती है, तो बॉडी में कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के

जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शरीर में प्रोटीन की कमी होने से किस तरह के लक्षण नजर आते हैं।

प्रोटीन की कमी होने के लक्षण

सूजन या स्ध्वेलिंग आना–शरीर में प्रोटीन की कमी का सबसे बड़ा संकेत सूजन का होना है। जिसको एडिमा भी कहा जाता है। ऐसा होने से आपके शरीर में खासतौर पर पैर, पेट और हाथों में सूजन की समस्या होनी शुरू हो जाती है।

मूड स्घविंग होना–अगर आपका भी मूड बार–बार बदलता रहता है या आप बात–बात पर गुस्सा या परेशान रहते हैं, तो आपकी शरीर में प्रोटीन की कमी हो सकती है। दरअसल, शरीर में प्रोटीन की कमी होने से न्यूरोट्रांसमीटर नहीं बन पाता है, जो हमारे दिमाग के काम करने के तरीके को स्थिर बनाता है और ये बार–बार बदलता है। जबकि प्रोटीन की कमी से सेरोटोनिन और डोपोमाइन का लेवल कम होने लगता है। ऐसे में आप आक्रामक या उदास महसूस कर सकते हैं।

बाल, स्किन और नाखूनों पर असर–शरीर में प्रोटीन की कमी होने से इसका बालों, नाखूनों पर त्वचा पर भी असर देखने को मिलता है। प्रोटीन की कमी से कोलेजन, केरोटिन और इलास्टिन जैसे प्रोटीन नहीं बन पाते हैं। जिसकी वजह से बाल पतले, स्किन ड्राई और नाखूनों पर निशान आने लगते हैं।

कमजोरी और थकान–शोध में मिला जानकारी के अनुसार, अगर आप सिर्फ एक सप्ताह प्रोटीन का सेवन नहीं करते हैं, तो आपको मूवमेंट और पोस्चर में फर्क आने लगता है। इससे आपकी मसल्स कमजोर होने लगती हैं। अगर आप 55 साल या इससे अधिक उम्र के हैं, तो आपको मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है और एनीमिया की समस्या होने लगती है। सेल्स तक ऑक्सीजन न पहुंचने से आपको जल्दी थकान महसूस होने लगती है।

घाव का धीमी गति से भरना–बता दें कि जिन लोगों में प्रोटीन का मात्रा कम पाई जाती है। अक्सर उनकी चोट या खरोंचें ठीक होने में काफी समय लग जाता है। इन लोगों को आसानी से मोच या इंजूरी हो जाती है। इसका मुख्य कारण बॉडी में पर्याप्त कोलेजन नहीं बनना है और इम्यूनिटी भी कम हो जाती है।

अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार का एलानय डारोन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को सम्मान

नई दिल्ली। आर्थिक विज्ञान के क्षेत्र में अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिया जाने वाला स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार डारोन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया है। विजेताओं को यह सम्मान संस्थाएं कैसे बनती हैं और समृद्धि को कैसे प्रभावित करती हैं, पर अध्ययन के लिए दिया गया है।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने अर्थिक क्षेत्र में योगदान के लिए 2024 के नोबेल पुरस्कार का एलान कर दिया है। आर्थिक विज्ञान के क्षेत्र में अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिया जाने वाला स्वेरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार डारोन ऐसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिन्सन को दिया गया है। विजेताओं को यह सम्मान संस्थाएं कैसे बनती हैं और समृद्धि को कैसे प्रभावित करती हैं, पर अध्ययन के लिए दिया गया है।

कौन हैं डारोन एसमोग्लू?–कामेर डारोन ऐसमोग्लू अर्मेनियाई मूल के एक तुर्की–अमेरिकी अर्थशास्त्री हैं। वे 1993 से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ा रहे हैं। वहां वे वर्तमान में अर्थशास्त्र के एलिजाबेथ और जेम्स किलियन प्रोफेसर हैं। उन्होंने 2005 में जॉन बेट्स क्लार्क पदक प्राप्त किया, और 2019 में उन्हें एमआईटी ने प्रोफेसर के रूप में नामित किया।

कौन हैं साइमन जॉनसन?– साइमन एच. जॉनसन एक ब्रिटिश अमेरिकी अर्थशास्त्री हैं। उनका जन्म 16 जनवरी, 1963 को हुआ। वे एमआईटी स्लोअन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में उद्यमिता के रोनाल्ड ए. कर्ट्ज प्रोफेसर हैं। इसके साथ ही जॉनसन पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में सीनियर फेलो हैं।

कौन हैं जेम्स ए रॉबिन्सन?–1960 में पैदा हुए जेम्स एलन रॉबिन्सन एक ब्रिटिश अर्थशास्त्री और राजनीतिक वैज्ञानिक हैं। वह वर्तमान में ग्लोबल कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज के रेवरेंड डॉ. रिचर्ड एल. पियर्सन प्रोफेसर और शिकागो विश्वविद्यालय के हैरिस स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में यूनिवर्सिटी प्रोफेसर हैं।

पिछले साल किसे मिला था अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार?– इससे पहले पिछले साल रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के लिए क्लाउडिया गोल्डिन को चुना था। उन्हें महिलाओं के श्रम बाजार के परिणामों के बारे में हमारी समझ को उन्नत या विकसित करने के लिए यह सम्मान दिया गया था। क्लाउडिया गोल्डिन ने सदियों से महिलाओं की कमाई और श्रम बाजार भागीदारी का पहला व्यापक विवरण मुहैया कराने का काम किया। उनके शोध से बदलाव के कारणों और शेष लिंग अंतर के मुख्य स्रोतों का पता चला। इनके रिसर्च से पता चला कि वैश्विक श्रम बाजार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है और जब वे काम करती हैं तो पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं। गोल्डिन ने अभिलेखों का पता लगाया और 200 वर्षों से अधिक का डेटा एकत्र किया, जिससे उन्हें यह साबित किया कि कमाई और रोजगार दरों में लिंग अंतर कैसे और क्यों बदल गया?

2022 में तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को मिला था सम्मान–रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने पिछले साल अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार बेन एस बर्नानके, डगलस डब्ल्यू डायमंड और फिलिप एच डायबविग को दिए थे। इन्हें बैंकों और वित्तीय संकटों पर शोध के लिए सम्मानित किया गया था। तीनों पुरस्कार विजेताओं ने विशेष रूप से वित्तीय संकट के दौरान अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका के बारे में हमारी समझ में काफी सुधार किया था। उनके शोध में एक महत्वपूर्ण खोज यह है कि बैंकों के पतन से बचना क्यों महत्वपूर्ण है?

वर्ष 1969 से दिया जा रहा है अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार–आर्थिक विज्ञान में सेवरिग्स रिक्सबैंक पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिया जाता है।

बता दें कि अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी वसीयत में अर्थशास्त्र पुरस्कार का उल्लेख नहीं किया था। स्वेरिग्स रिक्सबैंक ने 1968 में पुरस्कार की स्थापना की और रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज को 1969 में शुरू होने वाले आर्थिक विज्ञान में पुरस्कार विजेताओं के चयन का कार्य दिया गया।

त्यौहारों पर साइबर अपराध के खिलाफ साइबर क्राइम कन्ट्रोल बोर्ड आफ इडिंया की मुहिम

लखनऊ (यूएनएस)। त्यौहारों के आते ही एक तरफ ऑनलाइन शापिंग करने वालों की संख्या बढ़ जाती है तो दूसरी तरफ साइबर अपराधियों की संख्या भी बढ़ जाती है। इसे रोकने व लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करने के लिये साइबर क्राइम कन्ट्रोंल बोर्ड आफ इण्डियो मिशन साइबर क्रैकर्स मुहिम चला रहा है। साइबर अपराधियों के विरूद्ध इस मुहिम में साइबर कन्ट्रोल बोर्ड आफ इण्डिया की सदस्य डा0 श्रेया गुप्ता ने बताया कि दीपावली जैसे त्यौहार के मद्देनजर देश में बढ़ते साइबर अपराधियों के प्रति एक जागरूकता अभियान एवं धरातल पर साइबर अपराधियों की धड–पकड़ के लिए आम जनता के साथ साथ अपनी सेवाएं देने वाले पुलिस अधिकारियों की मदद के लिए यह अभियान की शुरुवात की गई है। इस मिशन में मोहित बजाज, साइबर एक्सपर्ट, अभिनय श्रीवास्तव तकनिकी विशेषज्ञ, वंशज शुक्ला एवं शिफाली, राजपूत, विधि क्षेत्र से साइबर क्राइम कण्ट्रोल बोर्ड ऑफ़ इंडिया की मुहीम का विशेष हिस्सा है।

जिसमे देश के विभिन कोनों से साइबर वालंटियर्स एवं टेक्निकल टीम लगाई गई है। साइबर अपराधियों से बचने के लिये जागरूक रहे व सतर्क रहं।

किसी भी प्रकार के साइबर फ्राड होने पर तुरन्त हल्पलाइन नंबर 1930 पर दे सकते हैं साथ ही साथ साइबर क्राइम कण्ट्रोल बोर्ड ऑफ़ इंडिया के व्हाटसएप नंबर 7233993939 पर जानकारी साझा कर सकते है। जिससे भुक्त भोगी की तत्काल सहायता की जा सेके।

जब करीना कपूर ने करिश्मा से पहली बार की थी अपने रिश्ते पर बात, जानें क्या कहा था

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान नेटफ्लिक्स के शो 'द कपिल शर्मा शो' में दिखाईं दी। करिश्मा कपूर ने श्द कपिल शर्मा शो में एक दिलचस्प घटना बताई है। उन्होंने उस दिन को याद किया जब करीना ने सैफ के साथ अपने रिश्ते के बारे में पहली बार उनसे खुलकर बात की थी।

करिश्मा ने बताया कि वह लंदन की सड़कों पर चल रही थीं, तभी करीना ने उन्हें फोन किया। करीना ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझे आपको कुछ बताना है, इसलिए आपको बैठ जाना चाहिए। इस पर करिश्मा ने कहा कि सड़क पर बैठ जां क्या। करीना ने कहा कि नहीं, क्या कोई शांत जगह है? मुझे लगता है कि आपको सोफे पर बैठना चाहिए। करिश्मा को आखिरकार एक सोफा मिला, जहां वह बैठ गईं। उन्होंने करीना से कहा कि हां जल्दी करो और मुझे बताओ, मैं खरीदारी करने निकली हूं। फिर करीना ने सैफ के साथ अपने रिश्ते का खुलासा करते हुए कहा कि बात यह है कि मैं सैफ से प्यार करती हूं और आप जानते हैं, हम साथ हैं। हम डेट कर रहे हैं।

यह खबर सुनकर करिश्मा हैरान रह गईं। करीना कपूर और सैफ अली खान ने साल 2012 में शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं, एक का नाम तैमूर अली खान है और दूसरे बच्चे का नाम जेह अली खान है। तैमूर का जन्म साल 2016 और जेह का जन्म 2021 में हुआ है। सैफ ने करीना से पहले एक और शादी की थी। सैफ के दो बच्चे हैं, जिनका नाम सारा अली खान और इब्राहिम अली खान है। करिश्मा कपूर के करियर पर नजर डालें तो वह आखिरी बार नेटफ्लिक्स के शो 'मर्डर मुबारक' में दिखाई दी थीं। वर्तमान में वह रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' को जज कर रही हैं। दूसरी ओर करीना की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, जबकि उनकी दूसरी फिल्म श्सिंघम रिटर्न्स दीपावली पर रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, रणबीर सिंह, अक्षय कुमार, अर्जुन कपूर और टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सलमान खान का परिवार पहुंचा बाबा सिफ्रीकी के घर

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का परिवार रविवार को बाबा सिफ्रीकी के घर पहुंचा। बाबा सिफ्रीकी की हत्या शनिवार को मुंबई में गोली मारकर कर दी गई थी। सलमान की बहनें अलवीरा खान अग्निहोत्री और अर्पिता खान, उनके भाई सोहेल और उनकी रुमर्ड महिला मित्र यूलिया वंतूर बाबा सिफ्रीकी के घर पहुंचे।

सलमान खान शनिवार को बाबा सिफ्रीकी को गोली लगने के बाद सीधे लीलावती अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने बाबा की हत्या की खबर मिलने के बाद बिग बॉस की शूटिंग बीच में ही रफ्र कर दी थी। कहा जा रहा है कि सलमान ने एनसीपी नेता बाबा सिफ्रीकी की हत्या के बाद सुरक्षित स्थान पर शरण ली है। वह उनके सबसे करीबी दोस्तों में से एक थे। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने सलमान के घर पर गोलीबारी की थी और उनके पिता, पटकथा लेखक सलीम खान को धमकियां भी दी थीं। इसी गिरोह ने बाबा सिफ्रीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। ज्ञात हो कि बाबा सिफ्रीकी की हत्या के बाद मुंबई के बांद्रा इलाके में सलमान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बाबा सिफ्रीकी अक्सर मुंबई के बांद्रा इलाके में भव्य इफ्तार पार्टियां आयोजित करने तथा कई हाई–प्रोफाइल मेहमानों की मेजबानी करने के लिए जाने जाते थे। गौरतलब है कि 2013 में बाबा सिफ्रीकी की इफ्तार पार्टी में ही बन्नलीवुड के दो सबसे बड़े सुपरस्टार सलमान खान और शाहरुख खान के बीच लंबे समय से जारी झगड़ा खत्म हुआ था।

पांच साल तक चले इस झगड़े ने पूरे बॉलीवुड के सितारों को दो खेमों में बांट दिया था। इन दोनों दिग्गज अभिनेताओं ने बाबा सिफ्रीकी की इफ्तार पार्टी में एक–दूसरे को गले लगाकर फिर से दोस्ती की थी। इस बीच, बाबा सिफ्रीकी की हत्या के तीन हमलावरों में से दो को मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया है। इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए आरएसएस ने तैयार किया प्लान, हिंदुत्व समेत इन मुद्दों पर जोर

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र चुनाव को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले एक महीने में महाराष्ट्र के अलग–अलग क्षेत्रों की लगभग 7 से 8 बैठ के ले चुका है। मुंबई, मराठवाडा, विदर्भ, कोंकण इन तमाम क्षेत्रों में आरएसएस ने कई बैठक ली है। आने वाले 1 महीने में हर जिले की संघ और बीजेपी के बीच सामान्य बैठक की योजना तय की गई है। महाराष्ट्र चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने माइक्रो मैनेजमेंट तैयार किया है। संघ ने हिंदुत्व के मुद्दे से दूर न जाने और जाति समीकरण को जोड़ते हुए हिंदुत्व के मूल मुद्दे को बनाए रखने की सलाह दी है।

संघ और बीजेपी की समन्वय बैठक–नागपुर में कुछ दिन पूर्व विदर्भ प्रांत की संघ एवं बीजेपी की समन्वय बैठक हुई। इस बैठक में संघ की तरफ से सह सरकार्यवाह अरुण कुमार एवं अतुल लिमय एवं विदर्भ के संघ के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में ठश्रच के सभी विधायकों पूर्व विधायकों के साथ–साथ महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बुलाया गया था। 2 दिन पूर्व आरएसएस के रेशम बाग स्थित हेडगेवार स्मृति भवन में नागपुर जिले की संबंध में बैठक संघ और बीजेपी के बीच हुई। इसमें संघ कि तरफ से सह सरकार्यवाह अतुल लिमय मौजूद थे। इस बैठक में नागपुर जिले के भाजपा के सभी विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद वर्तमान सांसद एवं सभी पदाधिकारी को बुलाया गया था।

आरएसएस ने रणनीति अपने हाथों में ली–हरियाणा जीत के बाद हर हाल में महाराष्ट्र में बीजेपी की सत्ता बननी चाहिए इसके लिए आरएसएस ने पूरी रणनीति अपने हाथों में ले ली है। इसके लिए संघ ने भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बैठकों का दौर शुरू कर दिया है। बीजेपी किस तरीके से चुनाव लड़े कौन सी बातें सामने लाई जाए इसके लिए संघ ने रोडमैप तैयार कर लिया है। संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी को निम्न बिंदुओं पर कार्य करने की हिदायत दी गई है–:

भारतीय जनता पार्टी द्वारा अजीत पवार एवं एकनाथ शिंदे की दो पार्टियों को जोड़ने के बाद भारतीय जनता पार्टी के मूल कार्यकर्ता बैक फुट पर चले गये थे, कार्यकर्ता जो कई वर्षों से कम कर रहे थे उन्हे तबज्जो नहीं मिलने से कार्यकर्ताओं में काफी नराजगी थी। संघ का कहना है कि सभी कार्यकर्ताओं और पुराने कार्यकर्ताओं को भी तवज्जो दिया जाए। संघ ने माइक्रो मैनेजमेंट शुरू किया है, संघ ने हिदायत दी है कि डोर टू डोर सम्पर्क के तहत कार्य किया जाए। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देने और उसे लाइक कर देने से काम नहीं चलेगा। सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाए, जिस तरह लोकसभा के चुनाव में कार्यकर्ता गफलत में थे वैसी गफलत में ना रहे।

हिंदुत्व के मुद्दे से दूर न जाए, जाति समीकरण को जोड़ते हुए हिंदुत्व के मूल मुद्दे को बनाए रखें–टिकट किसे भी दें लेकिन मूल कार्यकर्ताओं को दुर्लक्ष ना किया जाए, मूल कैडर के जो बीजेपी के कार्यकर्ता हैं उन्हें जवाबदारी दी जाए। विपक्ष जो नेरेटिव सेट करता है विपक्ष के नैरेटिव को हावी न होने दिया जाए, जनता में भ्रम पैदा ना हो।

बूथ को मजबूत किया जाए–मतदान का प्रतिशत 60: से ऊपर ले जाया जाए। संघ ने कहा कि लोकसभा चुनाव में ऐसा देखा गया है कि जहां बीजेपी को वोट मिलते थे वहां पर उसे बूथ पर 40 से 45: मत मिले हैं और जहां नहीं मिलते थे वहां पर 60: पड़े हैं।

मतदाताओं की संख्या, मतदान की संख्या बढ़ाई जाए, कार्यकर्ता मतदाताओं घर से बाहर निकालें।

16 अक्टूबर को पीएम पद की शपथ लेंगे उमर अब्दुल्ला, एलजी ने किया आमंत्रित

जम्मू–कश्मीर। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंह ने सोमवार को जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। एलजी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्हें 11 अक्टूबर को जेकेएनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला का पत्र मिला था, जिसमें बताया गया था कि उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। एलजी के पत्र में कहा गया है, ''मुझे आपको जम्मू–कश्मीर सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है।''उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। उन्होंने एलजी के कार्यालय से मुझे जम्मू–कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाला एक पत्र सौंपा। इससे पहले जम्मू–कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया था जिससे केंद्र शासित प्रदेश में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया था। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है। राज्य से राष्ट्रपति शासन हटाये जाने का विभिन्न दलों ने स्वागत किया है।

हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है, ''भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 और 239ए के साथ पठित जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में 31 अक्टूबर 2019 का आदेश, जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से तुरंत पहले निरस्त किया जाता है।''

हम आपको याद दिला दें कि हाल में संपन्न हुए जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन ने जीत हासिल की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू–कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें गठबंधन का नेता चुना गया है। हम आपको याद दिला दें कि पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख के रूप में विभाजित किए जाने के बाद 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू–कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया था। जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 को संसद ने पांच अगस्त 2019 को पारित किया था। पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को भी उसी दिन निरस्त कर दिया गया था।

दीपावली पर नहीं मिलेगा गंगाजल, 16 दिनों तक होगी साफ–सफाई

नोएडा (यूएनएस)। गंग नहर की सफाई के चलते आज रात से गंगा जल सप्लाई रोक दी गई है। नोएडा में गाजियाबाद के प्रताप विहार से प्लांट से गंगाजल की सप्लाई होती है। 16 दिनों तक साफ–सफाई के बाद 31 अक्टूबर को दोबारा से सप्लाई शुरू की जाएगी। यानी नोएडा वासियों को दीपावली पर गंगाजल नहीं मिल सकेगा। प्राधिकरण ने इसके एवज में रेनीवेल और बोरवेल का पानी नोएडा में सप्लाई करेगा। नोएडा में इस समय पानी की डिमांड 450 एमएलडी है। ये पानी नहीं मिलेगा। आज से चार दिनों का गंगाजल करीब 1200 एमएलडी गंगाजल स्टोरेज किया है। ऐसे में चार दिनों तक कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके बाद बोरवेल से पानी की सप्लाई की जाएगी। इससे पानी गुणवत्ता के साथ प्रेशर भी कम होगा। बता दे नोएडा में हाइराइज सोसाइटी है। गंग नहर की साफ–सफाई के चलते यहां पानी का संकट हर साल होता है। ऊंचाई ज्यादा होने से पानी का प्रेशर काफी कम होता है। प्राधिकरण ने बताया कि जहां भी दिक्कत होगी वहां पानी के टैंकर के जरिए सप्लाई की जाएगी। 31 अक्टूबर को पानी गंग नहर में छोड़ा जाएगा। यानी करीब 2 से 3 नंबर तक नोएडा में दोबारा से 240 एमएलडी गंगाजल की सप्लाई शुरू हो सकेगी।

खाने–पीने के चीजों की कीमतों का बढ़ना जारी, सितंबर में खुदरा महंगाई दर उछलकर 5.49: पर पहुंची

नई दिल्ली। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर में सितंबर महीने में बड़ा इजाफा दिखा। खाने–पीने के चीजों की कीमतें लगातार बढ़ने से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 5.49: पर पहुंच गई। खुदरा महंगाई दर मध्यम अवधि में आरबीआई की ओर से तय किए गए लक्ष्य 4 प्रतिशत को पार कर गई है। थोक महंगाई दर के आंकड़ों के बाद खुदरा महंगाई के आंकड़े भी जारी हो गए हैं। सितंबर में भारत की खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर 5.49 प्रतिशत तक बढ़ गई। यह इजाफा खाने–पीने के चीजों की कीमतें लगातार बढ़ने के कारण हुआ। खुदरा महंगाई दर पिछले महीने दर्ज किए गए 5 साल के निचले स्तर 3.65: से कहीं अधिक है। जुलाई के बाद पहली बार यह भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) के 4: के मध्यम अवधि के लक्ष्य को पार कर गई।

खुदरा महंगाई बढ़ने का ये है कारण–उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

यानी सीपीआई बास्केट में आधी हिस्सेदारी रखने वाले खाद्य पदार्थों की महंगाई दर सितंबर में 9.24: पर पहुंच गई। अगस्त महीने में खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई दर 5.66 थी। इससे पहले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई दर जुलाई 2024 में 3.6 प्रतिशत और अगस्त 2024 में 3.65 प्रतिशत थी। जुलाई–अगस्त दोनों ही महीनों में खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के लक्ष्य के भीतर थी। दूसरी ओर, अगस्त 2023 में सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 6.83 प्रतिशत थी।

थोक महंगाई में भी इजाफा– सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों के महंगे होने से थोक मूल्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 1.84 फीसदी हो गई। अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1. 31 फीसदी थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 फीसदी घटी थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 फीसदी थी।

इसकी वजह क्या?–इसकी वजह सब्जियों की मुद्रास्फीति रही, जो सितंबर में 48.73 फीसदी बढ़ी थी। अगस्त में यह 10.01 फीसदी घट गई थी। आलू की मुद्रास्फीति सितंबर में 78.13 और प्याज की 78.82 प्रतिशत पर उच्च स्तर पर बनी रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 फीसदी की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी।

एक नज़र

अमरोहा– दहेज में बाइक न मिलने पर दूल्हा हुआ नाराज, दहेज की मांग पूरी न होने पर दुल्हन को छोड़ आया, 13 अक्टूबर को बारात लेकर आया था दूल्हा, निकाह कर बिना दुल्हन के वापस लौटा, दुल्हन के परिजनों ने पुलिस से की शिकायत, नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव बीलनी का मामला।

नोएडा– नोएडा प्राधिकरण पर सैकड़ों किसानों का धरना, विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसान, सुरक्षा को लेकर भारी पुलिस बल की गई तैनात, नोएडा प्राधिकरण के बाहर की गई बैरिकेडिंग, प्राधिकरण दफ्तर के बाहर धरने पर बैठे किसान, समर्थन में अलग–अलग गांवों से पहुंची महिलाएं, सेक्टर फेस 1 थाना क्षेत्र के सेक्टर 6 की घटना।

रायबरेली– ग्राम प्रधान,सचिव समेत 4 पर धोखाधड़ी का केस दर्ज, फर्जी तरीके से मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने का लगा आरोप, परिवार रजिस्टर में जालसाजी,नाम दर्ज करने का आरोप, ग्राम प्रधान,2 सेक्रेटरी समेत 4 पर मुकदमा दर्ज, न्यायालय के आदेश पर बछरावां थाने में केस दर्ज।

कन्नौज– कन्नौज में छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप, पढ़ने जाते वक्त पिता–पुत्रों पर छेड़छाड़ का आरोप, तीनों रास्ते से गुजरते वक्त करते हैं अभद्रता,छेड़छाड़, शिकायत करने के लिये आते वक्त भाई पर हमला, पीड़ित छात्रा ने एसपी से लगायी न्याय की गुहार, एसपी ने जांच कर कार्रवाई के दिये निर्देश, सदर क्षेत्र के एक गांव की छात्रा ने लगाए आरोप।

बदायूं– दबंगों ने किया ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा, अवैध कब्जा होने पर ग्रामीणों में भारी रोष, अवैध कब्जा धारियों ने तालाब पर किया कब्जा, अवैध कब्जे के विरोध में ग्रामीण हुए लामबंद, आक्रोशित ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिया पत्र, शिकायती पत्र भेजकर की कार्रवाई की मांग, सहसवान विकासखंड के क्यावली का मामला।

हाथरस– हाथरस में हिस्ट्रीशीटर हरेंद्र की गोली मारकर हत्या, हमलवारों ने हिस्ट्रीशीटर पर की ताबड़तोड़ फायरिंग, घायल हिस्ट्रीशीटर हरेंद्र की इलाज के दौरान मौत हुई, पुलिस को घटनास्थल पर शराब की बोतलें,गिलास मिले, हिस्ट्रीशीटर की मौत की जांच करने में जुटी पुलिस, पुलिस ने शव कब्जे में लेकर।

यदि आप संज्ञान दृष्टि पर कोई विज्ञापन देना चाहते है या किसी अन्य प्रकार के व्यावसायिक अनुबंध के इच्छुक है तो हमे sangyandristinewspaper@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं। व्हाटसएप नम्बर +91–7080049049

साहू चौपाल समाज को एकजुट करेगा के. के. साहू

मुकेश शर्मा

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। आज साहू चौपाल द्वारा लालगंज कस्बे में एक जन जागरण जी संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सरेनी,भोजपुर,सेमरी,खीरों,गेंगासों, बेहटा, बहाई।

पूरेपाण्डेय, रालपुर, बेनीमाधव गंज, आदि जगह से आये हुए सैकड़ों लोगों ने अपने अपने विचार रखें, सरेनी से देवेश साहू एवं सेमरी से राम बहादुर साहू लालगंज से बालकृष्ण साहू आदि ने कहा साहू चौपाल ही ऐसा संगठन है जो समाज हित में काम कर रहा है साथ ही समाज के निचले पादन पर बैठे लोगों की आर्थिक एवं प्रशासनिक मदद कर रहा है।

ऐसे संगठन के साथ पूरा समाज हर समय खड़ा रहेगा, चौपाल के जिला अध्यक्ष के के साहू एवं महासचिव डॉ संजीव गुप्ता ने कहा की साहू चौपाल किसी भी कीमत में समाज के किसी भी व्यक्ति का शोषण नहीं होने देगा, बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष के.के.साहू ने कहा साहू चौपाल का मूल सिद्धांत समाज के लोगों की आर्थिक,शैक्षिक एवं सामाजिक मदद करना है ना की चंदा वसूली करना है, जिला संरक्षक रामशरण साहू ने कहा साहू चौपाल अपने महापुरुषों भामाशाह, महात्मा गांधी मां कर्मा बाई के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज की सेवा करता है।

पुरे लालू निवासी गोवर्धन साहू जी को सरेनी ब्लॉक का प्रभारी सर्वसम्मत से मनोनीत किया गया, जन जागरण संगोष्ठी में नगर अध्यक्ष अमित साहू, सेमरी से रामसनेही साहू, प्रशांत साहू, गोबर्धन साहू, विकास साहू, राजेश साहू, नवीन साहू, दीपक साहू, आरडी साहू, आशीष साहू, श्रवण साहू, हरिराम साहू, प्रतीक साहू, अवध साहू, जीतेन्द्र साहू, महेंद्र साहू, बी0एल0 साहू, शतीश महाजन, नवीन साहू, मोहित साहू, विवेक साहू, रमेश साहू, सुशील साहू सहित सैकड़ों लोग थे।

गया एसएसपी ने बड़ी कारवाई सड़क हादसे में मुस्लिम युवक के दाह संस्कार मामले मे परैया थानेदार, दारोगा समेत चौकीदार को किया सस्पेंड

रंजीत कुमार

गया (संज्ञान दृष्टि)। एसएससी ने परैया थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले सड़क हादसा मे मृत मुस्लिम युवक की बिना पहचान के दाह संस्कार एव घोर लापरवाही के मामले में परैया अध्यक्ष समेत अन्य पुलिस कर्मी को दाह संस्कार में घोर लापरवाही एवं कर्तव्य के प्रति उदासीनता की पुष्टि पर गया वरीय पुलिस अधीक्षक ने परैया थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार, पु०स०अ०नि० कृष्ण कुमार गुप्ता एवं स्थानीय चौकीदार श्याम सुंदर पासवान को सस्पेंड किया गया है। दरअसल, मामला यह था की 27 सितंबर को मो. गुलाम हैदर का पुत्र मो. शहाबुद्दीन की मौत सड़क हादसे में हो गयी थी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था. शहाबुद्दीन अपनी स्कूटी से गुरारू के लिए निकला था. इसी दौरान पिकअप वैन से टक्कर हो गयी थी. हालांकि घटना के बाद पुलिस ने शव का शिनाख्त नहीं कर पायी थी. पोस्टमार्टम के 72 घंटे बाद शव का दाह संस्कार के लिए चौकीदार को जिम्मेदारी दे दी थी।

इधर, मो. गुलाम हैदर अपने बेटे की खोबजीन कर रहे थे. घटना के 10 दिन बाद गुलाम हैदर ने परैया थाना में अपने बेटे की स्कूटी देखी. थाना पहुंचे तो हादसे में पुत्र की मौत हो जाने की बात सामने आई. यह भी पता चला कि उसके बेटे के शव को अज्ञात घोषित कर जला दिया गया. जबकि मुस्लिम में दफनाया जाता है. इसके बाद मामला तूल पकड़ लिया. मो. गुलाम अपने बेटे का शव पुलिस से डिमांड करने लगे थे। जिसके तत्वाधान मे गया एसएससी द्बारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, टिकारी को निर्देशित किया गया था।

13.10.2024 को समर्पित जांच प्रतिवेदन में परैया थानाध्यक्ष मुकेश कुमार, पु०स०अ०नि० कृष्ण कुमार गुप्ता एवं स्थानीय चौकीदार 6/7 श्याम सुन्दर पासवान द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने में विलंब करने, एव मृत व्यक्ति के नाम–पता के सत्यापन तथा दाह संस्कार में घोर लापरवाही एवं कर्तव्य के प्रति उदासीनता की पुष्टि हुई थी।

प्रशाशन की तरफ से रामलीला को जगह मिलने के बाद सम्पन हुआ भूमी पूजन

विशाल अग्रवाल

उधम सिंह नगर/केलाखेड़ा (संज्ञान दृष्टि)। केलाखेड़ा मे हो रही लगातार 40 बर्षो से राम लीला को अब प्रशाशन द्वारा जगह दी जा चुकी हैं अब रामलीला किसी भी ब्यक्ति की जगह पर ना होकर सरकारी खाली पिलोट पर रामलीला की जगह 12 दीन के लिए सुनश्चित कर दी गयी हैं आदर्श राम लीला कमेटी द्वारा अनगिनत प्रायसो के बाद प्रशाशन ने रामलीला कमेटी की सुनी और उनको जगह दी जगह मिलने के बाद रामलीला कमेटी ने उस पर भूमि पूजन किया।

राम लीला कमेटी अध्यक्ष कालरा ने बतया की सभी सम्मानित ब्यक्तिओ द्वारा जिन्होंने रामलीला की जगह के लिए अनेक प्रयास किये उन सभी का धन्यबाद एवं सभी प्रश्शानिक अधिकारी जिन्होंने रामलीला करने के लिए जगह प्रस्ताबित की उन सभी का धन्यबाद किया तथा केलाखेड़ा के बरिष्ठ ब्यक्ति हरिओम गुप्ता से भूमि पूजन भी कराया कालरा ने बताया की 18 अक्टूबर से रामलीला का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर राम लीला कमेटी अध्यक्ष अजय कालरा, विशेष गुप्ता, हरीओम गुप्ता, डी. एल. शर्मा, जितेन्द्र गुप्ता, सोनू गुप्ता, सूरज गुप्ता, अंकित गुप्ता जितेंद्र चानना, महिंद्र कालरा, अशोक गगनेजा, विनीत चानना, मनोज चंद्रा, राजेश चुघ, करन खुराना, शिविर खुराना, रवि पाठक, आशुतोष पाण्डेय, पंडित लक्ष्मी नारायण शर्मा, गोलू आदि लोग सम्मलित रहे।

'मिस यूपी फैशन आइकॉन के ऑडिशन में प्रतिभाओं ने जलवा बिखेरा'

मुकेश शर्मा

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। दिसंबर माह में होने वाले मिस यूपी फैशन आइकॉन, मिसेज यूपी और प्रदेश स्तर की नृत्य प्रतियोगिता के लिए ऑडिशंस शहर के कचेहरी रोड स्थित एक बैंक्वेट हाल में सम्पन्न हुए। माधव सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं के ऑडिशन कार्यक्रम का उद्घाटन एन. जी. ओ. प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट, सिमहैन्स हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मनीष चौहान, व्यापार मंडल के अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह छाबड़ा, समाजसेवी प्रभाकर गुप्ता के द्वारा माँ सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। माधव सेवा संस्थान की अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन वेव डान्स एकेडमी के डायरेक्टर विवेक मिश्रा के द्वारा किया गया। विशिष्ट रूप से उपस्थित एन. जी. ओ. प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अरविंद श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें अवसर प्रदान करने की है, उन्होंने माधव सेवा संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान के द्वारा निरंतर रायबरेली ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की प्रतिभाओं को मुख्य पटल पर लाने का कार्य किया जा रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है। डॉ. मनीष चौहान और त्रिलोचन सिंह छाबड़ा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दिया। इस अवसर पर मिस यूपी, मिसेज यूपी फैशन आइकॉन और प्रदेश स्तर की नृत्य प्रतियोगिताओं के लिए ऑडिशन सम्पन्न हुए। निर्णायक के रूप में शिवांगी चौधरी एवं अमरदीप ने उपस्थित रह कर सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा का सूक्ष्म अध्ययन कर उन्हें अंक प्रदान किए। माधव सेवा संस्थान की अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी ने बताया आगामी नवम्बर माह में सेमी फाइनल राउण्ड होगा तथा दिसंबर मध्य में ग्रैंड फिनाले कराया जाएगा, जिसमें सेलिब्रिटी के रूप में बॉलीवुड हीरोइन सुहासी धामी उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में माधव सेवा संस्थान के सचिव सत्यम बाजपेयी, स्मृति शुक्ला तथा कविता यादव का सहयोग सराहनीय रहा। इस अवसर पर नेहा सिंह, रंजना राठौर सहित अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुमित अरोरा प्रोडक्शन ने सफलतापूर्वक आयोजित किया प्रतिभा विकास कार्यक्रम

मुख्य अतिथि के रूप में पालिकाध्यक्षा डॉ. इरा श्रीवास्तव ने आयोजकों का उत्साह बढ़ाया

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर (संज्ञान दृष्टि)। सुमित अरोरा प्रोडक्शन द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रतिभा विकास कार्यक्रम का समापन आज दुर्गा नवमी के अवसर पर सौभाग्य पैलेस में धूमधाम से डांडिया नाइट के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद अध्यक्षा डॉक्टर इरा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया, जिससे आयोजकों एवं प्रतिभागियों का मनोबल ऊंचा हुआ।

इस समारोह में संध्या के समय सुर संगीत की महफिल सजी, जिसमें कई दर्जन महिलाओं ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सुमित अरोरा प्रोडक्शन के संस्थापक सुमित अरोरा ने मुख्य अतिथि डॉक्टर इरा श्रीवास्तव के हाथों से कार्यक्रम में सक्रिय मीडिया पार्टनर और पत्रकारों को सम्मानित किया। सम्मानित पत्रकारों में अनिल श्रीवास्तव, सौरभ मिश्रा, सर्वेश शुक्ला, स्पर्श सिन्हा, आशीष गुप्ता, और अन्य प्रमुख नाम शामिल थे। इस दौरान, नगर को हरा–भरा और स्वच्छ बनाने के प्रयास में जुटे पर्यावरण मित्र समूह के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। समूह के मीडिया प्रभारी राममोहन गुप्त ने पर्यावरण के प्रति लोगों से अपील की कि वे इस दिशा में आगे आएं। यह कार्यक्रम 10 अक्टूबर को 'प्रतिभा की खोज' से शुरू हुआ, जिसमें डांसिंग, सिंगिंग और मॉडलिंग की लगभग 300 प्रतिभाओं ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने जोरदार तालियों से कार्यक्रम को सराहा।

इस सफल आयोजन में एपजा कॉर्डिनेटर अनुराग सारथी और कई प्रमुख व्यक्ति भी शामिल हुए, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक योगेश वर्मा को लेकर अखिलेश का तंज, बोले, सत्ता पक्ष का विधायक होने से पहले वह एक पीडीए हैं

लखनऊ (यूएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक योगेश वर्मा से मारपीट मामले में बवाल फिलहाल थमा नहीं है। इस मामले को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर तंज किया है। उन्होंने कहा कि अपमान की असली वजह ये है कि वह सत्ता पक्ष के विधायक होने से पहले एक पीडीए हैं और दूसरी तरफ हमला करने वाले प्रभुत्ववादी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि उप्र के एक सत्ताधारी दल के विधायक के अपमान की सच्ची वजह ये है कि वो सत्ता पक्ष के विधायक होने से पहले एक पीडीए हैं और दूसरी तरफ हमला करने वाले प्रभुत्ववादी। और रही बात विधायक के चुनावी घपले की तो वह तो उन्हें करना ही पड़ेगा क्योंकि वो जिस दल में हैं उनके चुनाव जीतने का तरीका ही यही है। ज्ञात हो कि अर्बन कॉपरेटिव बैंक चुनाव में निवर्तमान चेयरमैन पुष्पा सिंह और पूर्व चेयरमैन मनोज अग्रवाल का खेमा मैदान में है। दोनों अपने–अपने समर्थक के साथ नामांकन करने के लिए कॉपरेटिव बैंक ऑफिस पहुंचे थे। सदर विधायक योगेश वर्मा का आरोप है कि मनोज अग्रवाल खेमे के समर्थित प्रत्याशी राजू अग्रवाल का पर्चा वकीलों ने फाड़ दिया। उन्हें पीटा भी। विधायक को यह बात पता चली, तो वह भी मौके पर पहुंच गए। विधायक को देखकर पुष्पा सिंह के पति अवधेश सिंह भड़क गए। दोनों में कहासुनी हुई। जब तक विधायक कुछ समझ पाते, उन्हें थप्पड़ जड़ दिए। पीछे से उनके समर्थक आ गए। विधायक को घेरकर मारा। इस मामले ने तूल पकड़ा था लेकिन उनकी तहरीर पर सदर कोतवाली मुकदमा दर्ज नहीं होने से विधायक योगेश वर्मा खासे नाराज हैं। उन्होंने आज अपने दोनों ही गनर को वापस भेज दिया है। इधर, करणी सेना ने भाजपा विधायक से मारपीट के आरोपी अधिवक्ता अवधेश सिंह को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया है। लखीमपुर में भाजपा विधायक योगेश वर्मा के साथ मारपीट के मामले में प्रदेश के नेतृत्व ने पार्टी के चार कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किया है। इनमें अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा सिंह और उनके पति व भाजपा के सक्रिय सदस्य अवधेश सिंह, पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की पूर्व सह संयोजक ज्योति शुक्ला शामिल हैं। इन सभी से दो दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है। नौ अक्टूबर को लखीमपुर में हुई मारपीट में एक्शन न होने से नाराज भाजपा विधायक योगेश वर्मा ने सुरक्षा में बढ़ाए गए दो गनरों को वापस लौटा दिया। पुलिस अफसरों को इसकी जानकारी मिली तो हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने गनर को फिर वापस विधायक के पास भेज दिया है। अधिकारी विधायक को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर सीएम योगी आदित्यनाथ और कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बीच मुलाकात हुई है। संजय निषाद ने कहा है कि सीट बंटवारे को लेकर अभी कोई भी बैठक नहीं हुई है। इससे पहले यह कह देना कि मुझे एक भी सीट नहीं मिल रही है यह गलत होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात का समय मैंने पहले ही लिया था उनकी माता जी का हाल–चाल पूछने गया था, इस विषय में कोई भी बात नहीं हुई है। संजय निषाद ने कहा कि एनडीए एलाइंस यह चुनाव लड़ेगा, अगर हमें कोई सीट नहीं मिलती है तो बैठकर उसके बारे में बात करेंगे उसके बाद फैसला होगा। फिलहाल अभी कोई नाराजगी नहीं है। संजय निषाद ने आगे कहा कि बहराइच में हुई घटना की मैं निंदा करता हूं इसके पीछे जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

व्हाट्सएप पर सम्पर्क के लिए
70800–49049
95824–49049
Website : www.sangyannews.com
sangyandrsitinewspaper@gmail.com

कारवाई न करताच सोडले टिप्पर

स्थानिक गुन्हे शाखेने रेती तस्करांचे टिप्पर परस्पर सोडले

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ महागांव : तालुक्यातील नद्यांतून रेतीची तस्करी खुलेआम केली जात आहे. या रेती माफीयांचे टिप्पर स्थानिक गुन्हे शाखेच्या पथकाने शनिवारी (ता.१२) रोजी रात्री ११ वाजताच्या दरम्यान महागांव येथिल फुलसावंगी रोड पकडले मात्र कार्यवाही न करताच ते टिप्पर परस्पर परत पाठविल्याची चर्चा सध्या तालुक्यात जोरदार सुरु आहे. स्थानिक गुन्हे शाखेचे पथक महागांव शहरात दसर्ध्याच्या मुहूर्तावर रात्री दरम्यान गस्त घालत असतांना अवैद्य रेती घेऊन जाताना एक टिप्पर फुलसावंगी रोडवर पकडले होते परंतु सदर रेती तस्करीच्या टिप्परवर कायदेशिर कार्यवाई व पोलिस स्टेशनला टिप्पर न नेता फुलसावंगी रोडच्या बाजुला असलेल्या समाजकल्याण शाळेकडे सदर टिप्पर नेऊन कार्यवाही मॅनेज केल्याची चर्चा सध्या जोरदार सूरु आहे. सदर टिप्परवर कुठलीही कारवाई न झाल्यामुळे या कारवाईचे पाणी नेमके कुठे मुरले याबाबत महागांव तालुक्यात चर्चेला उधाण आले आहे. याबाबत प्रस्तुत प्रतिनिधी यांनी स्थानिक गूऩ्हे शाखेचे सहाय्यक पोलिस निरीक्षक गजानन गजभारे यांना याबाबत विचारणा केली असता सदरच्या अवैद्य रेती टिप्पर संदर्भात कुठल्याही प्रकारची माहीती नसल्याचे सांगितले.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक प्रांजल श्रीवास्तव द्वारा मंजुला आफसेट, काशीनगर, लखीमपुर–खीरी से मुद्रित तथा 132/2 काशीनगर चोपड़ा इंडस्ट्री लखीमपुर–खीरी, उ0प्र0 से प्रकाशित

सम्पादक– प्रांजल श्रीवास्तव

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)